अल्प प्राण, महाप्राण, घोष, अघोष

प्राण का अर्थ वायु होता है

अल्प प्राण - कम वायु से उच्चरित होने वाले वर्ण को अल्पप्राण कहते हैं, किसी भी वर्ग का पहला तीसरा तथा पांचवा वर्ण अल्पप्राण होता है

उदाहरण

कवर्ग	क ख ग घ ङ	क ग ङ
चवर्ग	च छ ज झ ञ	च ज ञ
टवर्ग	ट ठ ड ढ़ ण	ट ड ण
तवर्ग	त थ द ध न	त द न
पवर्ग	प फ ब भ म	प ब म

महाप्राण - किसी भी वर्ग का दूसरा तथा चौथा वर्ण महाप्राण होता है

उदाहरण

कवर्ग	क ख ग घ ङ	ख घ
चवर्ग	च छ ज झ ञ	छ झ
टवर्ग	ट ठ ड ढ़ ण	ठ ढ़
तवर्ग	त थ द ध न	थ ध

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

पवर्ग प फ ब भ म फ भ

घोष - घोष अर्थात नाद या ध्वनि, जिस वर्ण को उच्चरित करते समय हमारे अंदर की स्वर तान्त्रियाँ झंकृत होती हैं तो उस को घोष कहा जाता है, किसी भी वर्ग का तीसरा चौथा तथा पांचवा वर्ण घोष होता है

उदाहरण

कवर्ग क ख ग घ ङ ग घ ङ

चवर्ग च छ ज झ ञ ज झ ञ

टवर्ग ट ठ ड ढ़ ण ड ढ़ ण

तवर्ग त थ द ध न द ध न

पवर्ग प फ ब भ म ब भ म

अघोष - जिस वर्ण को उच्चरित करते समय हमारे अंदर की स्वर तान्त्रियाँ झंकृत नही होती हैं उस को अघोष कहा जाता है, किसी भी वर्ग का पहला तथा दूसरा वर्ण अघोष होता है

उदाहरण

कवर्ग क ख ग घ ङ क ख

चवर्ग च छ ज झ ञ च छ

टवर्ग ट ठ ड ढ़ ण ट ठ

OBLYPREPS

तवर्ग त थ द ध न त थ

पवर्ग प फ ब भ म प फ

खड़ी पाई वाले वर्ण - वह वर्ण जिनको लिखने में खड़ी लाइन की आवश्यकता होती है खड़ी पाई वाले वर्ण कहलाते हैं

जैसे - अ, आ, ओ, औ, ख, ग, घ, च, ज, झ, ञ इत्यादि

बिना खड़ी पाई वाले वर्ण - वह वर्ण जिनको लिखने में खड़ी लाइन की आवश्यकता नही होती है बिना खड़ी पाई वाले वर्ण कहलाते हैं

जैसे - इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, क, छ, ट, ठ, ड, ढ़, द, र इत्यादि

वर्णमाला स्त्रीलिंग वर्ण - इ, ई, ऋ इसके अलावा सारे वर्ण पुल्लिंग हैं

Visit on:- https://youtu.be/C6Nl-OBKwaI

#अल्प #प्राण #महाप्राण #घोष #अघोष

OBLYPREPS

Sharing Is Caring
If you found it useful, don't forget to share your friends.

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"